हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 12 | देहरादून, मंगलवार, 28 जून, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा और सौहार्द पर अंतरराज्यीय पुलिस समूह ने तैयार किया प्लान 3

देश जितना विकास करेगा, उसमें बहुत बड़ी भूमिका अधिकारियों की होगी : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में आयोजित अमृत महोत्सव डिजिटल प्रदर्शनी एवं आजादी का अमृत महोत्सव सेमिनार का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की, एवं परिसर में 22 राज्यों द्वारा लगाए गए हस्तकला स्टालों का अवलोकन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व प्रेरणा से ₹मिशन कर्मयोगी₹ के अन्तर्गत एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के साथ समृद्ध भारतीय संस्कृति की व्यापक स्तर पर प्रचारित-प्रसारित करने हेतु डिजिटल प्रदर्शनी के माध्यम से एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि आप लोग ₹आजादी का अमृत महोत्सव₹ वर्ष में प्रशिक्षण प्राप्त कर ₹मिशन कर्मयोगी₹ के तहत अपना काम शुरू करेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देश की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर हम आज उत्सव मना रहे हैं, जिसे प्रधानमंत्री ने आजादी का अमृत महोत्सव नाम दिया गया है। उन्होनें कहा यह समय ना केवल इस देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर बलिदानियों को नमन करने का है बल्कि उनके सपनों को साकार करने का भी है। उन्होनें सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा की हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां उनके द्वारा किए संघर्ष की सदा सर्वदा ऋणी रहेंगी। उन्होनें कहा आजादी का यह अमृत महोत्सव ना केवल उनके द्वारा किए गए त्याग को पुनः स्मरण करने का अवसर है बल्कि उनके सपनों को याद करते हुए नवीन संकल्पों को लेने का भी अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा आज प्रत्येक योजनाएं जमीनी स्तर पर लागू हो रही हैं एवं प्रत्येक वर्ग के ध्यान में रखकर योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक सरकार पहुंचे इसके लिए कई कार्य किए गए हैं। उन्होनें कहा हम उत्तराखंड में निरंतर गुड गवर्नेंस पर फोकस कर रहे हैं और जन सरोकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होनें कहा आज भी मैं अपने को विद्यार्थी मानता हूं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने सरलीकरण, समाधान, निस्तारिकरण एवं संतुष्टि को अपनी कार्यपद्धति का सिद्धांत बनाया है और इसी मूल मंत्र को आधार बना कर जनसमस्याओं को सुलझाया जा रहा है। उन्होनें कहा आप सभी भी आने वाले समय में सरलीकरण, समाधान, निस्तारिकरण मंत्र के साथ जन सेवा करेंगे ऐसी मैं अपेक्षा करता हूं। उन्होनें कहा हम उत्तराखंड के सतत और सर्वांगीण विकास का विकल्प रहित संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं और अपने इस संकल्प को हम समयबद्ध अवधि में निश्चित ही सिद्ध कर के दिखाएंगे। उन्होंने कहा हमारा राज्य जब अपने 25वें वर्ष में प्रवेश करेगा अर्थात रजत जयंती मनाएगा, तब यह राज्य देश के श्रेष्ठ राज्य में होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी के निदेशक श्रीनिवास कटिकितला, संयुक्त निदेशिका राधिका रस्तोगी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी के फैकल्टी मैम्बर्स एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा व रॉयल भूटान सिविल सर्विसेज के 2020 व 2021 बैच के प्रशिक्षु अधिकारीगण एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रदेश के छह जिलों में मिले 30 नए संक्रमित एक मरीज हुआ ठीक, 243 सक्रिय मामले

देहरादून। प्रदेश में कोरोना संक्रमण दर के साथ ही सक्रिय मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बीते 24 घंटे के भीतर छह जिलों में 30 नए संक्रमित मिले हैं। एक मरीज ठीक हुआ है। सक्रिय मामले 243 हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक रविवार को 1253 सैंपलों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। छह जिलों में 30 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए।

इसमें देहरादून जिले में 17, हरिद्वार में सात, नैनीताल व पिथौरागढ़ में दो-दो, चंपावत व ऊधमसिंह नगर जिले में एक-एक संक्रमित मिला है। तीसरी लहर में कुल संक्रमितों की संख्या 93439 हो गई है। एक संक्रमित मरीज ने कोरोना को मात दी है। अब तक 89606 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। संक्रमितों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या कम है। इससे प्रदेश में सक्रिय मामले लगातार बढ़ रहे हैं। वर्तमान में 243 सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है।

सात दिन में मिले 245 संक्रमित

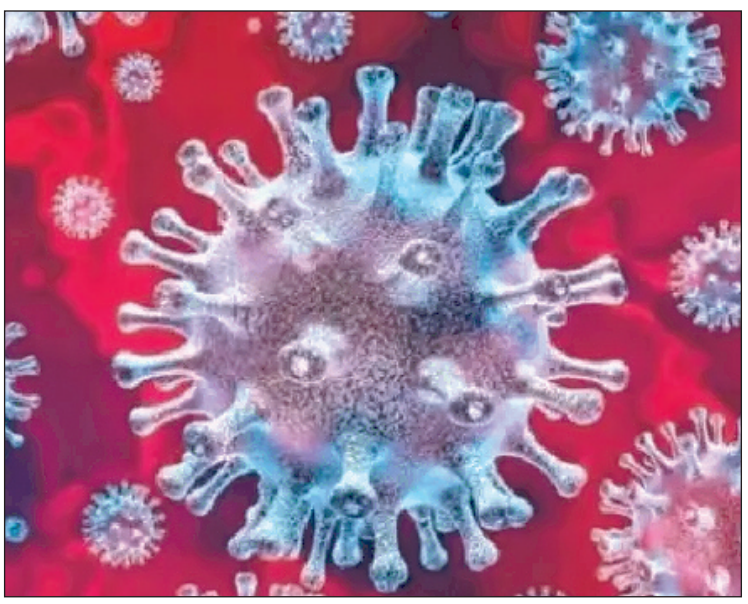

प्रदेश में मार्च महीने के बाद सात दिन में सबसे अधिक 245 कोरोना संक्रमित मिले हैं। जबकि सैंपल जांच 10 हजार से कम हुई है। साप्ताहिक कोविड जांच के आधार पर संक्रमण दर 2.74 प्रतिशत दर्ज की गई।

बस पर पहाड़ी की चोटी से पत्थर गिरने से 28 वर्षीय तीर्थयात्री की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तर प्रदेश के एक 28 वर्षीय तीर्थयात्री की रविवार को बस पर पहाड़ी की चोटी से पत्थर गिरने से मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब बस रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राजमार्ग पर काकरागढ़ के पास रुद्रप्रयाग में थी। पुलिस के अनुसार,फुलस्क्रीन बस जो केदारनाथ जा रही थी जिसमे 20 तीर्थयात्री सवार थे। उस समय चोटी से पत्थर गिर के पत्थर ने बस की खिड़की को तोड़ दिया और आगे की सीटों पर बैठे दो यात्रियों को टक्कर मार दी। दो में से एक की मौत हो गए और मृतक की पहचान बिजनौर जिले के धामपुर गांव निवासी अमर सिंह के रूप में हुई है.इस बीच, दुर्घटना में झांसी निवासी आकाश मलिक घायल हो गए। उन्हें अगस्तमुनि के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। पिछले 24

घंटों में उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। आशंका जताई जा रही है कि बारिश के कारण ये हादसा हुआ होगा।

अब नहीं काटने पड़ेंगे दफ्तरों के चक्कर अब देहरादून में घर बैठे एक क्लिक पर बनेगे जमीन के दाखिल खारिज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून नगर निगम दाखिल खारिज की ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने जा रहा है। नई व्यवस्था से लोगों को कई फायदे होंगे।यानी जमीन खरीदने के बाद घर बैठे ऑनलाइन आवेदन करो और ऑनलाइन ही आपको दाखिल खारिज घर बैठे मिल जाएगा। इसके कई फायदे होंगे जनता घर बैठे आवेदन कर सकेगी। साथ ही दाखिल खारिज के मामले अब 90 दिन के बजाय 60 दिन में निस्तारित होंगे। जनता को दाखिल खारिज की प्रगति रिपोर्ट, निर्णय, आपत्ति आदि की जानकारी के लिए दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। एक क्लिक पर पूरा रिकार्ड घर बैठे ही कंप्यूटर पर देखा जा सकेगा। मौजूदा समय में दाखिल खारिज से जुड़े मामलों का निस्तारण ऑफलाइन व्यवस्था के तहत होता है। तारीख का पता न चलने के कारण आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बता दें कि दून शहर में इस समय नगर निगम में दाखिल खारिज के तकरीबन 1200 मामले लंबित हैं। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगर आयुक्त मनुज गोयल ने दाखिल खारिज से संबंधित आवेदन व आपत्ति, उनकी जांच प्रगति व फैसलों को ऑनलाइन अपलोड करने की सुविधा शुरू करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त का कहना है कि दाखिल खारिज से जुड़ी सेवा ऑनलाइन होने के बाद अधिकारियों की जिम्मेदारी व जवाबदेही तय होगी। अगर कोई अधिकारी तय समय पर कार्रवाई नहीं करेगा तो उसके विरुद्ध कार्रवाई के लिए कदम उठाए जाएंगे। देहरादून प्रदेश का पहला नगर निगम होगा, जहां दाखिल खारिज की व्यवस्था ऑनलाइन होने जा रही है। नई व्यवस्था लागू होने पर प्रगति व कार्रवाई के साथ ही सुनवाई का आदेश या तय की गई अगली तारीख की जानकारी व्यक्ति को आसानी से मिल सकेगी। इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता आने की बात भी कही जा रही है। नई व्यवस्था में समयसीमा तय होगी, जिससे अधिकारियों को निर्णय समय पर देना होगा।

सीएम ने अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड सरकार पुष्कर सिंह धामी द्वारा अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी डॉ आर राजेश कुमार ने समस्त उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध खनन, भण्डारण एवं अवैध परिवहन की सूचनाओं पर नियमित छापेमारी करते हुए कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में तहसील विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत ढालीपुर आदि स्थानों पर उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में रात्रि को छापेमारी अभियान चलाते हुए 5 वाहन जिनमें 2 ट्रैक्टर ट्रॉली, 2 डम्पर, 1 ट्रक अवैध रूप से खनन सामग्री का परिवहन करते पाये जाने पर उपरोक्त वाहनों को सीज किया गया है। निरीक्षण के दौरान 1 ट्रक रवन्ना में उल्लिखित मात्रा से अधिक तथा 4 वाहन बिना रवन्ना प्रपत्र के खनन सामग्री का परिवहन करते पाये गए। राज्य में प्रख्यापित उत्तराखण्ड उप खनिज (बालू, बजरी, बोल्डर) चुगान नीति, उत्तराखण्ड खनिज नियमावली का उल्लंघन करने के फलस्वरूप उक्त वाहनों पर अर्थदण्ड की कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार ने अवगत कराया है कि अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी, जिसके लिए समस्त उप जिलाधिकारियों एवं संबधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए है कि वह अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत अवैध खनन, की सूचनाओं/शिकायतों पर छापेमारी अभियान चलाते हुए निरंतर कार्यवाही करें।

10वीं और 12वीं उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा के आवेदन, अब ऑनलाइन भरे जाएंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

10वीं और 12वीं उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा के लिए इस साल से परीक्षार्थियों को अपना आवेदन ऑनलाइन भरना होगा. उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद इसकी तैयारियों में लगा हुआ है. ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने से इसमें त्रुटि होने की संभावनाएं बहुत कम हो जाएंगी. इससे पहले कई बार देखा गया है कि ऑफलाइन आवेदनों में कई बार फॉर्म भरने में त्रुटियां पाई गई थी, जिसको फिर सही कराने करने में काफी जद्दोजहद करना पड़ी थी. अभी तक बोर्ड के आवेदन ऑफलाइन ही भरे जाते थे. इस बार से यह प्रक्रिया ऑनलाइन की जा रही है. हालांकि इस बार यह प्रक्रिया थोड़ा देरी से शुरू हो सकती है.

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के अपर सचिव (Uttarakhand Board of School Education Additional Secretary) एनसी पाठक ने बताया कि जुलाई में इसके लिए कार्य प्रारंभ होगा और जुलाई में ही इसका टेंडर होगा. उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 14 अगस्त तक होती है.

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के अपर सचिव एनसी पाठक ने बताया कि जुलाई में इसके लिए कार्य प्रारंभ होगा और जुलाई में ही इसका टेंडर होगा. तत्पश्चात जुलाई आखिरी सप्ताह या अगस्त पहले सप्ताह से आवेदन पत्र ऑनलाइन भरे जाएंगे. उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 14 अगस्त तक होती है.

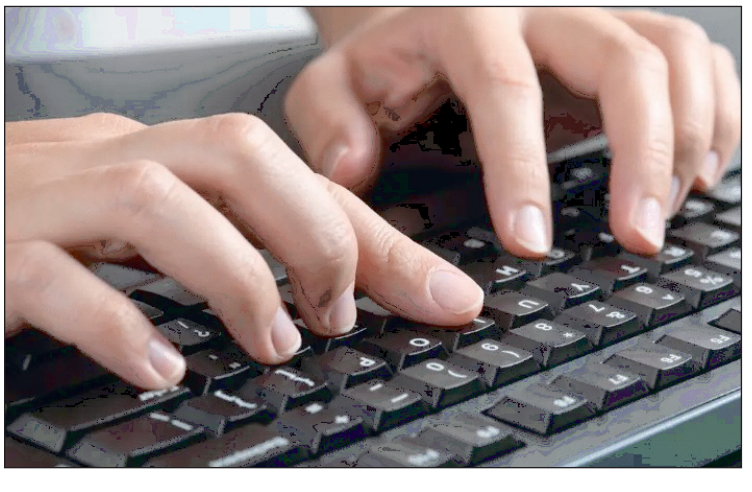

अकेले बैठी पत्नी के ऊपर फेंका तेजाब, अस्पताल में भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रानमगर। पति-पत्नी मे झगड़े के बाद पति ने पत्नी के ऊपर तेजाब डाल दिया, जिससे पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। आनन फानन में परिजनों द्वारा महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोहल्ला खताड़ी ऊंटपड़ाव टीला निवासी कैंटर चालक नसीम का सोमवार की दोपहर को 23 वर्षीय अपनी पत्नी आशिया से किसी बात को लेकर विवाद हुआ।

विवाद इतना बढ़ा कि दोनों में मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान महिला के सिर में चोट आ गई। मारपीट के बाद महिला अपनी फुफेरी बहन नाजरीन के घर खताड़ी डेढ़ वर्षीय बेटे हुसैन व तीन वर्षीय पुत्र माईरा को लेकर पहुंची। महिला की बहन नाजरीन ने बताया कि शाम को करीब छह बजे के आसपास नसीम उसके घर पर आया। उसने आशिया के बारे में पूछा और कमरे में गया। कमरे में आशिया अकेली थी और बच्चे बाहर खेल रहे थे। नसीम ने आशिया के चेहरे पर तेजाब डाल दिया और फरार हो गया। सूचना पर सूचना पर कोतवाल अरुण कुमार सैनी और एसआई मनोज अधिकारी पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे। उसके बाद घटनासथल भी पहुंचे और परिजनों व मोहल्लेवासियों से मामले की जानकारी ली। घटनास्थल से तेजाब की शीशी भी बरामद हुई। अस्पताल पहुंचे नायब तहसीलदार दयाल चंद्र मिश्रा ने महिला के बयान दर्ज किये। कोतवाल अरूण कुमार सैनी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।घायल महिला के परिजनों की ओर से तहरीर नहीं दी गयीं है। तहरीर मिलने पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।साथ ही आरोपी की तलाश भी शुरू कर दी है।

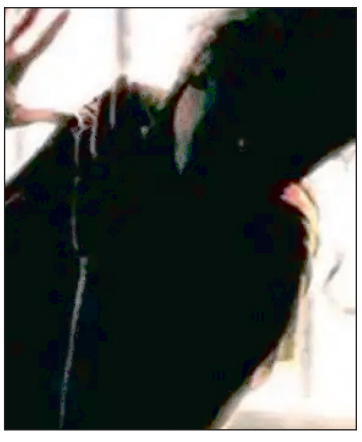

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा और सौहार्द पर अंतरराज्यीय पुलिस समूह ने तैयार किया प्लान, ये हुए फैसले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में 17 वीं अन्तर्राज्यीय व अन्तरइकाई समन्वय बैठक (17th Inter State & Inter Agencies Co-ordination Meeting) का आयोजन पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में किया गया, जिसमें उत्तरप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, रेलवे सुरक्षा बल, आसूचना ब्यूरो के अधिकारियों ने प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन प्रतिभाग किया। पुलिस उप महानिरीक्षक, अभिसूचना निवेदिता कुकरेती ने बैठक का संचालन किया।

डीजीपी अशोक कुमार ने कहा कि दिनांक 14 से 26 जुलाई तक कांवड़ यात्रा है। कांवड़ एक बहुत बड़ा धार्मिक आयोजन है। हम सभी को इसकी चुनौतियों का पता है। कोरोना संक्रमण के चलते पिछले दो साल से कांवड़ यात्रा प्रतिबंधित थी। इस बार काफी अधिक संख्या में शिवभक्तों के आने की संभावना है। इस बैठक का उद्देश्य उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल, पंजाब, राजस्थान व अन्य एजेन्सियों के पारस्परिक सहयोग से कांवड़ यात्रा को सकुशल व शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराना है। उन्होंने अधिकारियों से अभी से कांवड़ यात्रा हेतु पुलिस प्रबन्ध किये जाने की तैयारियों में लगने की अपेक्षा की, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी समस्या का सामना ना करना पड़े। इस वर्ष सम्पूर्ण कांवड़ क्षेत्र को 12 सुपर जोन, 31 जोन और 133 सैक्टर में विभाजित किया गया है, जिसमें लगभग 9-10 हजार कर्मी पुलिस व्यवस्था में लगेंगे। सुरक्षा व्यवस्था हेतु ड्रोन, सीसीटीवी का इस्तमाल और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को बढ़ाया जाएगा। साथ ही शिवभक्तों से सोशल मीडिया के माध्यम से अपील की जायेगी की कांवड़ यात्रा को शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

डीजीपी अशोक कुमार ने कहा कि सीमावर्ती प्रदेशों से अपेक्षा की जाती है कि कांवड़ यात्रा के मार्गों का अपने-अपने जनपदों में व्यापक प्रचार-प्रसार करें। साथ ही कांवड़ यात्रा के दौरान चारधाम/मसूरी एवं देहरादून आने वाले यात्रियों को लिए हरिद्वार से हटकर तैयार किये गये अलग रुट का भी प्रचार-प्रसार किया जाये। घटनाओं एवं तत्काल सूचनाओं के आदान-प्रदान करने हेतु सीमावर्ती जनपदों के जनपद, सर्किल, थाना एवं चौकी स्तर पर संयुक्त व्हट्सएप ग्रुप बना लिए जाएं।

बैठक में योगेंद्र सिंह रावत- पुलिस उप महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरिद्वार ने कांवड़ मेले के दौरान किए जाने वाली पुलिस व्यवस्थाओं, यातायात प्रबन्धन, भीड़ नियन्त्रण, यात्रा रूट पर किये जाने वाले पुलिस प्रबन्ध, लाठी डन्डे, नुकीले भाले व अन्य हथियार लेकर चलने वाले कांवड़ियों पर प्रतिबन्ध, कावड़ यात्रा के दौरान विगत वर्षो में होने वाली दुर्घटनाओं व पार्किंग आदि के बारे में प्रस्तुतिकरण किया। उन्होंने बताया की विगत 15-20 वर्षों से प्रत्येक वर्ष कांवड़ियों की संख्या में भारी वृद्धि हो रही है वर्ष 2019 में 3 करोड़ कांवड़िये आये थे जो अब बढ़कर वर्ष 2022 में लगभग 4 करोड़ कांवड़ियों के आने की सम्भावना है, उन्होंने कांवड़ यात्रा की व्यवस्था में लगे सभी नोडल अधिकारियों का व्हाटस अप ग्रुप बनाने, अन्तर्राज्यीय बैरियरों पर संयुक्त पुलिस चैकिंग करने, कांवड़ियों के उद्गम स्थल पर ही डी0जे0, लाठी डन्डे नियंत्रित करने, सोशल मीडिया पर भेजे जाने वाले संदेशों की निगरानी रखने आदि के सम्बन्ध में सभी अधिकारियों से सहयोग की अपील की।

उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण कांवड़ मेला क्षेत्र सीसीटीवी से कवर है, जिसमें Public Address System भी लगे हैं। कांवड़ यात्रा में जनता का सहयोग प्राप्त किये जाने हेतु कांवड़ समितियों एवं स्पेशल पुलिस अधिकारियों का गठन किया जा रहा है। फिसलन वाले घाटों पर जल पुलिस की तैनाती सहित थाना स्तर पर सघन सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है।

बैठक में राजीव सभरवाल- अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था, मेरठ जोन उत्तर प्रदेश ने अपने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से भीड़ और यातायात प्रबन्धन पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 के बाद उत्तर भारत में नया इंफ्रास्ट्रक्चर के अन्तर्गत Eastern Peripheral Expressway और Delhi-Meerut Expressway का निर्माण हुआ है, जिससे भीड़ एवं यातायात प्रबन्धन में भी बदलाव आएगा। इसलिए कांवड़ यात्रा के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन प्लान पारम्परिक यात्रा मार्ग और नए यात्रा मार्ग को देखते हुए बनाया जाए। प्रमुख चौराहों एवं कांवड़ यात्रा मार्गों पर साइन बोर्ड लगाए जाएं। डीजे एवं शिवरों में बजने वाले गानों की भी मॉनिटरिंग की जाए। सम्पूर्ण यात्रा रूट पर Public Address System से व्यवस्था बनाए रखने सम्बन्धी संदेश प्रसारित किये जाए। उन्होंने बताया कि उत्तरप्रदेश-उत्तराखण्ड के सीमावर्ती प्रवेश बिन्दुओं पर सीसीटीवी की व्यवस्था की जा रही है, जिसकी फीड हरिद्वार स्थित कन्ट्रोल रूम से भी शेयर की जाएगी। शरारती तत्वों एवं अनावश्यक रूप से उपद्रव करने वाले कारकों को रोकने में एक दूसरे का पूरा सहयोग किया जाएगा और संयुक्त अभिसूचना तंत्र विकसित कर लाभप्रद सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाएगा।

बैठक में ऑनलाइन प्रतिभाग कर रहे प्रशांत कुमार- अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तर प्रदेश ने परस्परिक समन्वय हेतु सीमवर्ती जनपदों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाये जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर नॉन वेज एवं शराब की दुकानें न हो। साथ ही कोई ऐसा व्यवहार पुलिस कर्मियों की ओर से न हो, जिससे शान्ति व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो। यह एक धार्मिक आयोजन है। कांवड़िये आस्था से वशिभूत रहते हैं। सभी के सहयोग से हमें कांवड़ यात्रा को शान्तिपूर्वक सकुशल सम्पन्न कराना है।

आइपीएस अमिताभ यश- अपर पुलिस महानिदेशक, एसटीएफ, उत्तरप्रदेश ने पूर्व में हुई आतंकवादी घटनाओं का उदाहरण देते हुए कांवड़ यात्रा के दौरान सतर्क रहने का सुझाव दिया। साथ ही कांवड़ क्षेत्र में समय-समय पर BDS से चैकिंग और कांवड़ियों एवं उनके वाहनों की सही तरीके से चेकिंग/फ्रिस्किंग करने के सुझाव दिए। आलोक मित्तल- अपर पुलिस महानिदेशक, सीआईडी, हरियाणा ने कांवड़ यात्रा संचालन हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि यह प्रयास किया जाएगा कि कांवड़ हेतु आने वाले अपने थानों में सूचना देकर आएं।ईश्वर सिंह- अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, पंजाब ने नियमित सहयोग और समन्वय पर जोर दिया। साथ ही अमरनाथ यात्रा हेतु सहयोग मांगा। उन्होंने आतंकी हमलों में हो रहे ड्रोन के इस्तमाल के प्रति सतर्क रहने पर जोर दिया।विवेक किशोर- संयुक्त पुलिस आयुक्त, नॉर्थन रेंज, दिल्ली ने सीमावर्ती प्रवेश बिन्दुओं पर संयुक्त तैनाती हेतु आग्रह किया। साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण हेतु यूनिफार्म योजना बनाए जाने का सुझाव दिया।

ए0एन0 मिश्रा- महानिरीक्षक/प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ उत्तर रेलवे ने सुरक्षा इनपुट पर कार्य करने और रेलवे का सुरक्षा स्टेटस बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी छोटे और बड़े रेलवे स्टेशनों को सीसीटीवी से कवर किया जाएगा। साथ ही आरपीएफ और जीआरपी द्वारा संयुक्त पेट्रोलिंग और एस्कॉट किया जाएगा।उमापति जमवाल- पुलिस सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ने बताया कि कुल्हाल के रास्ते कांवड़िये उत्तराखण्ड में प्रवेश करते हैं। इस सम्बन्ध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून के साथ समय-समय सूचना साझा की जाएगी।वी मुरूगेशन- अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड ने जघन्य अपराधों, अन्तर्राज्यीय अपराधी गैंग, इनामी बदमाशों, फरार अपराधियों, मानव तस्करी, साईबर क्राइम आदि के सम्बन्ध में एक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय सीमाओं पर अपराध नियंत्रण के लिए सूचनाओं के अदान-प्रदान व जनपद/स्पेशल यूनिटस की समन्वय बैठकों के आयोजन थानाध्यक्ष स्तर की मीटिंग किए जाने पर बल दिया। उन्होंने अन्तर्राज्यीय अपराधियों के सम्बन्ध में विवरण, डोजियर्स आदि का आदान-प्रदान किये जाने, सीमावर्ती जनपदों के थाना प्रभारियों की बैठक, सामप्रदायिक सोहार्द, मानव तस्करी, ड्रग पैडलर्स एवं ईनामी व वांछित अपराधियों की कड़ी नगरानी करने और इनके सम्बन्ध में जानकारी तुरन्त साझा करने एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में नियमित संयुक्त पैट्रोलिंग किये जाने पर भी बल दिया। उन्होंने जनपद सहारनपुर क्षेत्रान्तर्गत बिहरीगढ़ में वॉच एंड वार्ड पुलिस चौकी खोलने का भी सुझाव दिया।

बैठक में कई बिन्दुओं पर भी विचार विमर्श किया गया:-1. हरिद्वार से दिल्ली/मेरठ वापस जाने हेतु कांवड़ियों हेतु हाईवे के बाएं ओर को उपयोग करने का निर्णय लिया गया। साथ ही इस दौरान लगने वाले शिविर एवं भण्डारे हाईवे के बाएं ओर ही मुख्य मार्ग से 15 फीट दूर लगाने हेतु अनुमित प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

2. कांवड़ यात्रा के दौरान कांवडियों को अपना परिचय पत्र साथ रखने, सात फीट से उंची कांवड न बनाये जाने, रेल की छतों पर यात्रा ना करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। साथ ही शराब एवं मादक पदार्थों के सेवन न करने के सम्बन्ध में कांवड़ियों को जागरुक किया जाये।

3. यह प्रयास किया जाए कि कांवडिये जिस स्थान से आ रहे हैं वहां के सम्बन्धित थाने में यात्रा हेतु जाने वाले कुल कांवडियों की संख्या, गाड़ी नम्बर, मोबाईल नम्बर व ग्रुप-लीडर का नाम व मोबाईल नम्बर की सूचना दें जिससे उनपर नजर रखी जा सके।

4. डीजे एवं शिविरों पर बजने वाले गानों की मॉनिटरिंग की जाए। कांवड़ियों से अपील की जाए कि कोई ऐसा गीत न बजाएं जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हों।

5. अन्तर्राज्यीय बैरियरों/चौक पोस्ट- चिड़ियापूर बैरियर, नारसन चौक पोस्ट, लखनौता चौक पोस्ट, काली नदी बैरियर एवं गौवर्धन चौक पोस्ट पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सीमावर्ती प्रदेशों के साथ संयुक्त चौकिंग।

6. बेहतर समन्वय हेतु कांवड़ यात्रा हेतु नियुक्त उत्तरप्रदेश, हरियाणा, हिमाचल के नोडल अधिकारी हरिद्वार स्थित कन्ट्रोल रूम में बैठेंगे।

7. सम्पूर्ण कांवड़ यात्रा मार्ग पर मेडिकल कैम्प और एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया।

उत्तराखंड : जोरशोर से टिहरी नदी किनारे मनाया गया मछली पकड़ने का 'मौन' उत्सव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रविवार को पारंपरिक 'मौन' उत्सव मनाने के लिए ग्रामीणों की भीड़ अगलर नदी में मछली पकड़ने की होड़ में निकली. "हजारों ने इस अनोखे उत्सव में भाग लिया और बड़ी संख्या में मछलियां पकड़ीं। इस ऐतिहासिक मेले का शुभारंभ 1866 में तत्कालीन टिहरी नरेश ने किया था. तब से जौनपुर में हर साल इस मेले का आयोजन किया जा रहा है. क्षेत्र के बुजुर्गों का कहना है कि इसमें टिहरी नरेश स्वयं अपनी रानी के साथ आते थे. मौण मेले में सुरक्षा की दृष्टि से राजा के प्रतिनिधि उपस्थित रहते थे लेकिन सामंतशाही के पतन के बाद सुरक्षा का खुद ग्रामीणों ने उठा लिया.

टिहरी जिले के निवासी सूरत सिंह रावत ने कहा, ₹अनुमान है कि लगभग 20,000 किलोग्राम से 25,000 किलोग्राम मछली पकड़ी गई थी।₹उन्होंने कहा कि इस त्योहार को मनाने के लिए लोगों में बहुत उत्साह था क्योंकि यह दो साल के अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है। टिहरी जिले के एक अन्य निवासी जितेंद्र सजवान कहते हैं, मेले से पहले यहां अगलाड़ नदी में टिमरू के छाल से बनाया पाउडर डाला जाता है जिससे मछलियां कुछ देर के लिए बेहोश हो जाती हैं. इसके बाद उन्हें पकड़ा जाता है.

"इस त्योहार को मनाने के लिए अगलर नदी के तट पर कम से कम 15,000 से 20,000 लोग जमा हुए थे, जो जौनपुर, जौनसार और रवई क्षेत्र की परंपरा और संस्कृति का निर्माण करता है।"सुबह में, बड़ी मात्रा में तिमरू पेड़ की छाल का चूर्ण अगलर नदी में प्रवाहित किया गया। टिमरू की छाल से सूखा चूर्ण तैयार करने की जिम्मेदारी बारी-बारी से ग्राम समूहों को दी जाती है। इस वर्ष जौनपुर के सिलवार क्लस्टर के 13 गांवों को यह जिम्मेदारी दी गई है।

ऐप्पल (Apple) ने भारत में अपना वार्षिक 'बैक टू स्कूल' ऑफर किया लॉन्च, मुफ्त एयरपॉड्स के साथ-साथ दे रही है मैकबुक, आईपैड पर छात्रों के भारी लिए छूट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऐप्पल ने भारत में अपना वार्षिक 'बैक टू स्कूल' ऑफर ऐप्पल स्टोर पर ऑनलाइन लॉन्च किया है। 'बैक टू स्कूल' कार्यक्रम के तहत, विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक ऐप्पल शिक्षा मूल्य निर्धारण के साथ योग्य आईपैड और मैकबुक पर बचत कर सकते हैं। कंपनी इस ऑफर के साथ ऐरपोडस (गेन 2) के साथ-साथ 6 महीने का एप्पल म्यूजिक फ्री भी दे रही है।

पात्र ग्राहक एप्पल केयर+पर 20% की छूट के साथ अपनी खरीदारी की सुरक्षा भी कर सकते हैं। ग्राहक ऐरपोडस (गेन 3) को 6,400 रुपये और ऐरपोडस प्रो को 12,200 रुपये में अपग्रेड कर सकते हैं। ऐप्पल शिक्षा मूल्य निर्धारण विश्वविद्यालय के छात्रों और उनके माता-पिता के साथ-साथ सभी कक्षाओं के शिक्षकों, कर्मचारियों और होमस्कूल शिक्षकों के लिए उपलब्ध है। ऐप्पल 'बैक टू स्कूल' ऑफर लाइव है और सितंबर 2022 तक चलेगा। 'बैक टू स्कूल' ऐप्पल की विशेष छूट योजना है जो सभी देशों में उपलब्ध है।

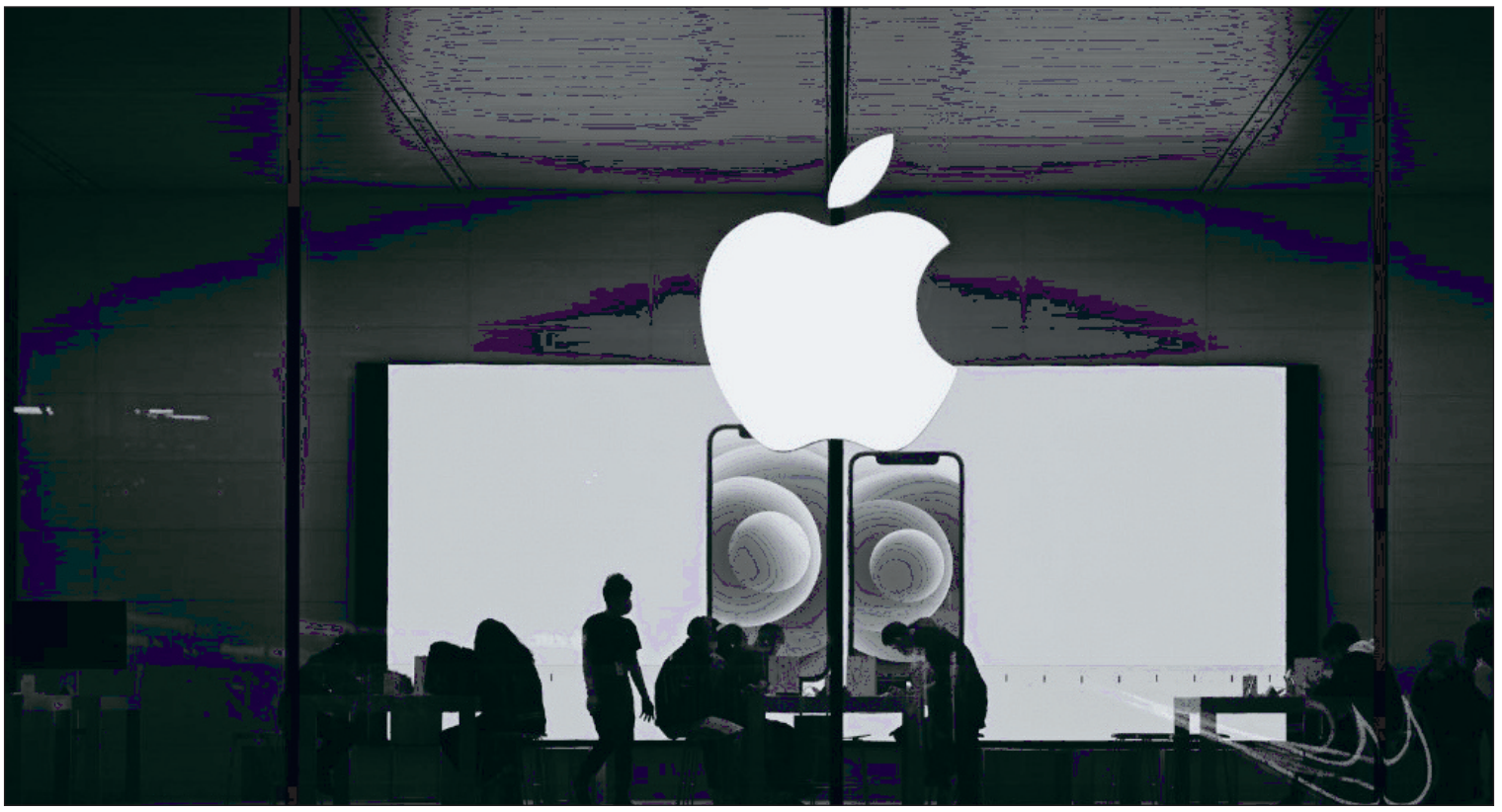

सभी विवरणः

1) मैकबुक एयर (एम1)ः 10,000 रुपये की छूट + एयरपॉड्स जेन 2 की कीमत 14,000 रुपये मुफ्तमैकबुक एयर (एम1) 89,900 रुपये से उपलब्ध है, मूल कीमत 99,900 रुपये है। यानी 10,000 रुपये की छूट। खरीदारों को 14,000 रुपये मूल्य का ऐरपोडस गेन 2 भी मुफ्त मिलता है।

2) मैकबुक एयर (एम2)ः 10,000 रुपये की छूट + एयरपॉड्स जेन 2 की कीमत 14,000 रुपये मुफ्तमैकबुक एयर (एम2) 109900 रुपये में उपलब्ध है, मूल कीमत 1,19,900 रुपये है। खरीदारों को 14,000 रुपये मूल्य का ऐरपोडस गेन 2 भी मुफ्त मिलता है।

3)मैकबुक एयर (एम2)ः 10,000 रुपये की छूट + एयरपॉड्स जेन 2 की कीमत 14,000 रुपये मुफ्तमैकबुक एयर (एम2) 109900 रुपये में उपलब्ध है, मूल कीमत 1,19,900 रुपये है। खरीदारों को 14,000 रुपये मूल्य का ऐरपोडस गेन 2 भी मुफ्त मिलता है।

4) मैकबुक प्रो 13 इंचः 10,000 रुपये की छूट + एयरपॉड्स जेन 2 की कीमत 14,000 रुपये मुफ्तमैकबुक प्रो 13 इंच 119900 रुपये में उपलब्ध है, मूल कीमत 1,29,900 रुपये है। खरीदारों को 14,000 रुपये मूल्य का ऐरपोडस गेन 2 भी मुफ्त मिलता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड पर्यटन को मिलेगी पहचान : सतपाल महाराज

उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की 22वीं बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की 22वीं बोर्ड बैठक में प्रदेश में पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में हुई बैठक में पर्यटन को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड को पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इसके साथ ही पर्यटन विकास परिषद के ढांचे में कुल 94 अतिरिक्त पदों के सृजन का प्रस्ताव भी शासन को भेजने का निर्णय लिया गया।

बैठक के पश्चात पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु पर्यटन विकास परिषद् की गतिविधियों को संचालित करने के लिए कुल रू0 55.00 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही पर्यटन विकास परिषद् के ढांचे में कुल 94 अतिरिक्त पदों के सृजन का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

मंत्री महाराज ने बताया कि बैठक में प्रदेश में पैराग्लाइडिंग, माउण्टेन टैरैन बाईकिंग, एडवेंचर समिट, स्कींईग चैम्पियनशिप, टिहरी झील महोत्सव, योग महोत्सव आदि के आयोजन का प्रस्ताव बोर्ड में रखा गया। इसके अलावा प्रिन्ट मीडिया, इलैक्ट्रोनिक मीडिया, सोशल मीडिया, पी0आर0 एजेन्सी, ट्रैवल मार्ट, रोड़-शो के माध्यम से राज्य के पर्यटन के प्रचार-प्रचार हेतु रू0 30.00 करोड़ की धनराशि का प्रावधान किया गया है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि हुनर से रोजगार योजना के अन्तर्गत कुकिंग, सर्विस, हाउस किपिंग, फ्रंट ऑफिस आदि हेतु 200 व्यक्तियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही कैरावान टूरिज्म, चाय बगान टूरिज्म, होम स्टे टूरिज्म, नेचर गाइड आदि को प्रशिक्षण दिये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में ऋषिकेश में गंगा क्याक फैस्टिवल, टिहरी में कैनोइंग फैस्टिवल, बौर जलाशय में क्याकिंग चैम्पियनशिप, योग महोत्सव, छोटा कैलाश माउण्टेरिंग अभियान, पिंडारी में ट्रैक ऑफ-द इयर के साथ-साथ हाई एंड लो एल्टीटयूड ट्रैकिग ट्रेनिंग (High & Low altitude trekking training) के प्रस्ताव पर सहमति दी गयी। बैठक में औली में पर्यटन गतिविधियाँ संचालित किये जाने हेतु रू0 1.50 करोड़ के मास्टर प्लान का प्रस्ताव किया गया। बैठक में कोविड-19 के दौरान लॉकडाउन के दृष्टिगत पी0पी0पी0 मोड में संचालित इकाईयों के किराये में माफी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गयी। मसूरी स्थित जार्ज एवरेस्ट सड़क को डबल लेन करने, सतपुली कार पार्किंग निर्माण, कण्वाश्रम पुर्ननिर्माण, केदारनाथ धाम यात्री शेल्टर निर्माण, विभाग हेतु इलेक्ट्रिक वाहन का क्रय, पर्यटन मुख्यालय के परिसर की सुरक्षा हेतु टेण्डर किये जाने आदि विषयों पर निर्णय लिए गए।

जो परियोजनाएं शुरु की जा चुकी है उसके बारे में भी परिषद की बैठक में चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड के साथ हुये अनुबन्ध के तहत पंच कोटी से बौराड़ी, बलाटी बैंड से खलिया टॉप, ऋषिकेश से नीलकंठ, औली से गौरसौं तथा रानीबाग से हनुमान गढ़ मन्दिर के बीच रोपवे के लिये सर्वेक्षण आरम्भ कर दिया गया है। इसके अलावा केदारनाथ और हेमकुण्ड के लिये रोप-वे पर कार्य आरम्भ हो चुका है। बैठक में सचिव पर्यटन दिलीप जावलकर, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर्यटन पूजा गर्ब्याल, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (साहसिक विंग) कर्नल अश्विनी पुंडीर, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (इन्फ्रा) पी.के. पात्रो, केएमवीएन के प्रबंध निदेशक अतर सिंह, लोक निर्माण विभाग के अपर सचिव विनीत तोमर, ऊर्जा विभाग के उप सचिव प्रकाश चन्द्र जोशी, बोर्ड के सदस्य जगदीश चन्द्रा, बसंत सिंह बिष्ट, किशोर कुमार यादव, उत्तरा बिष्ट, मीरा रतूड़ी, यूटीडीबी के निदेशक (इन्फ्रा) ले. कमांडर दीपक खंडूरी, अपर निदेशक विवेक सिंह चौहान, अपर निदेशक व कार्याध्यक्ष पूनम चंद, उप निदेशक योगेंद्र कुमार गंगवार समेत पर्यटन व अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

संस्कृति मंत्री ने किया कन्वेंशन सेंटर का निरीक्षण : पर्यटन विकास परिषद बोर्ड बैठक के पश्चात पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने गढ़ी कैंट स्थिर संस्कृति विभाग द्वारा बनाए जा रहे कन्वेंशन सेंटर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में वहां चल रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ-साथ संस्कृति विभाग के अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर सचिव संस्कृति हरीश चंद्र सेमवाल, निदेशक बीना भट्ट अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

केदारनाथ और बदरीनाथ धाम की तर्ज पर विकसित होगा बागनाथ मंदिर, पर्यटन विभाग कर रहा रिपोर्ट तैयार

विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ और बदरीनाथ धाम की तर्ज पर बागनाथ मंदिर को विकसित किया जाएगा। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की प्रसाद योजना के तहत मंदिर में अवस्थापना विकास और पर्यटक सुविधाओं के कार्य किए जाएंगे। पर्यटन विभाग की ओर से बागनाथ मंदिर में होने वाले कार्यों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

प्रसाद योजना के तहत बागेश्वर स्थित बागनाथ मंदिर परिसर में सभी दुकानों का पर्वतीय शैली में एकरूपता के साथ निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा सरयू तट पर घाटों का निर्माण, परिसर में साउंड एंड लाइट शो का संचालन, संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा। चारों ओर फसाड़ और भित्तिचित्रों को प्रदर्शित कर मंदिर परिसर को नया स्वरूप दिया जाएगा। चंडिका मंदिर से नीलेश्वर मंदिर के बीच रोपवे निर्माण, पुलों का सौंदर्यीकरण, प्रसाद वितरण के लिए दुकानें बनाई जाएंगी। मंदिर परिसर की सफाई और ट्रैफिक व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए परिसर के बाहर पार्किंग सुविधा विकसित की जाएगी।

जल्द शुरू किया जाएगा निर्माण कार्य

पर्यटन सचिव दिलीप जावलकर ने बताया कि मंदिर में होने वाले अवस्थापना विकास और पर्यटक सुविधाओं के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इससे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ ही स्थानीय लोगों को भी रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। सचिव ने कहा कि बागेश्वर क्षेत्र में सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और हेरिटेज पर्यटन के विकास और रोजगार सृजन के लिए अपार क्षमता है। पर्यटन मंत्रालय की प्रसाद योजना के तहत बागनाथ मंदिर में अवस्थापना विकास व पर्यटक सुविधाओं को विकसित करने लिए सैद्धांतिक सहमति प्रदान की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना से महिलाओं को मिलेगी बड़ी राहत, 11 जिले हुए चयनित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के 4 जनपदों में मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना के सफलता के बाद, अब उत्तराखंड सहकारिता विभाग ने समस्त पर्वतीय जनपदों को इस योजना के अंतर्गत ला दिया है. 11 जिलों के 88 एमपैक्स (बहुद्देश्यीय प्रारम्भिक कृषि ऋण समितियां) नए जोड़ दिए गए हैं. पर्वतीय क्षेत्र की महिलाओं के लिए यह योजना वरदान साबित हो रही है.

सहकारिता मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना की समीक्षा बैठक की. इसमें विभागीय सचिव को निर्देश दिये गए कि, सम्पूर्ण पर्वतीय क्षेत्रों में इस महत्वाकांक्षी योजना को लागू करें. उन्होंने कहा कि चार जिलों में इस योजना के सफलता के बाद इसे पर्वतीय क्षेत्र के सभी 11 जिलों को इससे जोड़ा जा रहा है. सरकार का मकसद है कि महिलाएं कष्ट में न जियें. उन्हें घर के आंगन में सहकारी बहुद्देश्यीय समिति के जरिये पैक्ड सायलेज मिले.

सहकारिता मंत्री ने कहा पर्वतीय क्षेत्र की 3 लाख महिलाओं के कंधों से घास के बोझ से छुटकारा मिलेगा. इस योजना के तहत उन्हें उनके गांव में ही पैक्ड सायलेज (सुरक्षित हरा चारा) और संपूर्ण मिश्रित पशुआहार (टीएमआर) उपलब्ध होगा. सरकार एक ओर जहां मक्के की खेती कराने में सहयोग देगी. वहीं, दूसरी ओर उनकी फसलों का क्रय भी करेगी. चारों तरफ से किसानों की आय दोगुनी हो, इस लक्ष्य के साथ पिछले छह साल से काम किया जा रहा है.

उन्होंने कहा सायलेज और टीएमआर का संतुलित आहार देने से दूध में वसा की मात्रा एक से डेढ़ प्रतिशत बढ़ने के साथ ही दूध उत्पादन भी 15 से 20 प्रतिशत बढ़ जाती है. इससे भी पशुपालकों की आय में इजाफा हुआ है. प्रदेश के पर्वतीय गांवों में करीब तीन लाख महिलाएं रोज अपने कंधों पर घास का बोझ ढ़ो रही हैं. वह चारा या घर में इस्तेमाल होने वाली ज्वलनशील लकड़ी के लिए रोजाना आठ से दस घंटे तक का समय देती हैं. इस वजह से उनके कंधों, कमर, गर्दन और घुटने की दर्द की समस्या आम हो गई है.

उन्हें अगर आसानी से घास मिलेगा तो हर महीने करीब 300 घंटे की बचत होगी. इसके साथ ही गांव में रहकर ही उनकी आमदनी बढ़ेगी. प्रदेश में पर्वतीय क्षेत्रों में चारे की कमी के बीच महिलाओं के कंधे पर चारा लाने की बड़ी जिम्मेदारी है. इससे उन्हें मुक्त करने के लिए ही मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना लाई गई है.

उत्तराखंड में साइबर ठगी के मामले बढ़ते जा रहे हैं एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज से ठगे डेढ़ लाख, मुकदमा दर्ज

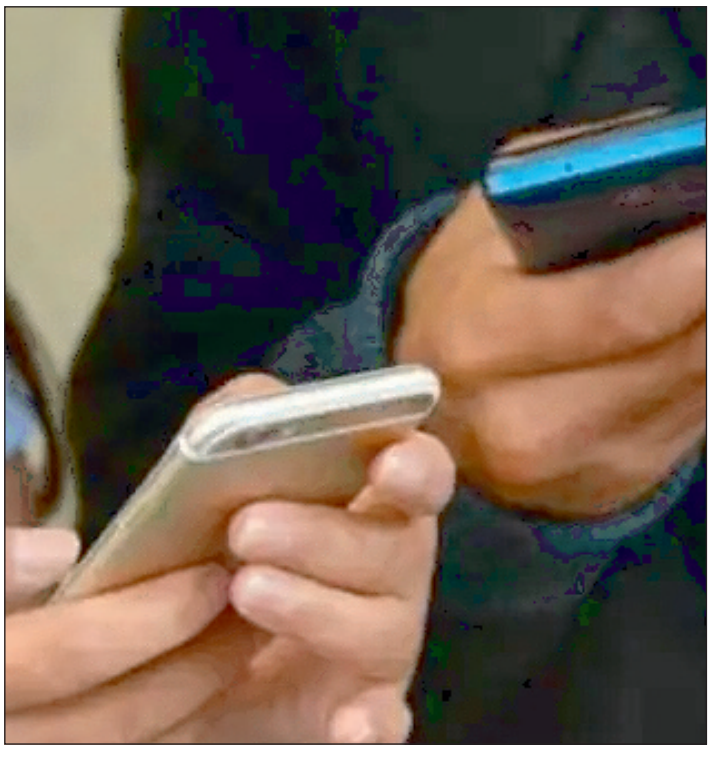

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बता दे की सिडकुल थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिला कोर्ट रोशनाबाद में एडीजे तृतीय के पद पर तैनात जज साहब ने लिखित में दी है. लिखित में बताया गया कि रविवार को उनके फोन पर हाईकोर्ट के एक उनके परिचित जज का मैसेज आया. उन्होंने अर्जेंसी दिखाते हुए तत्काल उनको डेढ़ लाख रुपए के गिफ्ट वाउचर ट्रांसफर करने को कहा. मैसेज भेजने वाले ने मीटिंग की व्यवस्था का हवाला दिया. तत्काल पैसा ट्रांसफर करने को कहा.

जिस नंबर से मैसेज आया था वह नंबर पैसा ट्रांसफर करने वाले एडीजे तृतीय के परिचित का था. इसलिए उन्होंने भी बिना समय गंवाए पैसा ट्रांसफर कर दिया. बाद में पता चला कि हाईकोर्ट के जज ने किसी पैसे की कोई डिमांड ही नहीं की थी. ना ही किसी तरह का फोन पर कोई मैसेज किया था. इस बात का पता लगते ही एडीजे तृतीय ने तत्काल इसकी जानकारी सिडकुल थाना पुलिस को दी.एडीजे के साथ ठगी की शिकायत के बाद पुलिस प्रशासन में भी हड़कंप मच गया. आनन-फानन में लिखित के आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है. थानाध्यक्ष सिडकुल प्रमोद कुमार उनियाल ने बताया कि मामला काफी गंभीर है. लिहाजा इस मामले में तत्काल एक विशेष टीम को लगा दिया गया है. टीम मैसेज भेजने वाले का पता लगाने में जुट गई है. जल्द ही फ्रॉड करने वाले को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

संपादकीय

अभी रहेगी महंगाई

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि इस वर्ष दिसंबर तक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक छह प्रतिशत से अधिक बना रहेगा. वर्तमान वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च, 2023) में ही मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से नीचे आ सकेगी. इसका अर्थ यह है कि महंगाई से जल्दी राहत मिलने की आशा नहीं है. इससे पारिवारिक खर्च और बचत पर तो असर पड़ेगा ही, खाद्य पदार्थों, निर्मित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य में भी वृद्धि संभावित है. इस स्थिति में उद्योग भी नये निवेश से कतराते हैं. मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के एक ठोस उपाय के रूप में कुछ समय पहले रिजर्व बैंक ने दो चरणों में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है तथा बैंकों के लिए निर्धारित संचित राशि रखने की सीमा भी बढ़ायी गयी है. इस माह की मौद्रिक नीति में रिजर्व बैंक ने मानसून के सामान्य रहने तथा भारतीय खरीद के लिए कच्चे तेल की कीमत औसतन 105 डॉलर प्रति बैरल होने की उम्मीद पर 2022-23 में मुद्रास्फीति के 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है. इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 7.5, दूसरी तिमाही में 7.4, तीसरी तिमाही में 6.2 और चौथी तिमाही में 5.8 प्रतिशत रह सकती है. उल्लेखनीय है कि कई महीनों से थोक मूल्य सूचकांक भी दो अंकों में है. उसका प्रभाव खुदरा मूल्यों पर पड़ना स्वाभाविक है. मानसून के सामान्य रहने का अनुमान तो है, पर जलवायु परिवर्तन और धरती के तापमान में वृद्धि जैसे कारकों के असर अनिश्चित हैं. इस वर्ष के प्रारंभिक महीनों में अधिक तापमान होने से गेहूं की पैदावार प्रभावित हुई है. इस कारण भारत सरकार को गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगानी पड़ी है. कुछ जानकारों का मानना है कि ऐसा निर्णय चावल के बारे में भी करना पड़ सकता है. मुद्रास्फीति से भारत ही नहीं, अन्य अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हैं. अमेरिका और ब्रिटेन में महंगाई दर चार दशकों में सबसे अधिक हो चुकी है. अन्य यूरोपीय देश और चीन भी इसका सामना कर रहे हैं. वैश्विक अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के असर से उबरना शुरू ही किया था कि रूस और यूक्रेन के युद्ध ने तेल, प्राकृतिक गैस और अनाज का व्यापक संकट पैदा कर दिया. रूस और अमेरिका व यूरोपीय संघ के परस्पर आर्थिक प्रतिबंधों ने भी लेन-देन और आवाजाही को मुश्किल बना दिया है. महामारी के दौरान लगी पाबंदियों में ढील के साथ ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बहुत तेजी आयी थी, जिसका एक नकारात्मक असर आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध के रूप में सामने आया. चीन द्वारा कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए उठाये गये बेहद कठोर उपायों से भी अंतरराष्ट्रीय बाजार को धक्का लगता रहता है. ऐसी स्थिति में भारत के लिए अधिक मुद्रास्फीति से बचे रहना संभव नहीं है. संतोष की बात है कि हमारी आर्थिक वृद्धि दर अभी भी दुनिया में सबसे अधिक है और ऊर्जा स्रोतों को छोड़कर अनाज व अन्य जरूरी वस्तुओं के मामले में हम आत्मनिर्भर हैं.

कांग्रेस का सत्याग्रह, हरीश रावत ने कहा- योजना युवाओं के लिए अग्निपथ नहीं बर्बादी का पथ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। अग्निपथ योजना के विरोध में प्रदेश कांग्रेस ने सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में प्रदर्शन धरना व पुतला दहन किया। प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा और पूर्व सीएम हरीश रावत सहित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने योजना का युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया।

अग्नीपथ योजना के विरोध में देहरादून गढ़ी कैंट स्थित शहीद दुर्गा मल्ल पार्क के बाहर प्रदर्शन करते पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि ये योजना युवाओं के लिए अग्निपथ नहीं बल्कि बर्बादी का पथ है। अग्निपथ को युवाओं के साथ धोखा बताने के साथ ही उन्होंने इसे देशहित के भी खिलाफ बताया। सरकार की इस योजना के विरोध में प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस ने योजना को तत्काल वापस लेने की मांग की।

उधर नई टिहरी में अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेसियों ने शहीद स्मारक में प्रदर्शन कर सत्याग्रह किया। केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। केंद्र सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर भारतीय सेना के गौरव को भी तोड़ने का आरोप लगाया।

सत्याग्रह करने वालों में पूर्व मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण, ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला, महिला जिलाध्यक्ष दर्शनी रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष शांति प्रसाद भट्ट, शहर अध्यक्ष देवेंद्र नौडियाल, नरेंद्र चंद रमोला, राजपाल बिष्ट, याकूब सिद्धिकी सहित कई शामिल थे।

उत्तरकाशी में कांग्रेसियों ने योजना के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका। इसके बाद कलक्ट्रेट में डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। उधर, नौगांव में यमुनोत्री हाइवे पर कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

विधानसभा क्षेत्र देवप्रयाग के कांग्रेसियों ने योजना के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ सत्याग्रह किया। अगस्त्यमुनि व ऊखीमठ के कांग्रेसियों ने जिलाध्यक्ष ईश्वर सिंह बिष्ट के नेतृत्व में तहसील मुख्यालय में प्रदर्शन किया। साथ ही योजना को तत्काल वापस लेने की मांग की। पौड़ी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद नेगी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने अग्निपथ योजना के खिलाफ सत्याग्रह किया।

एनएसयूआई प्रदेश सचिव मोहित सिंह, जिलाध्यक्ष गौरव सागर व पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष आस्कर रावत ने कहा कि सेना में भर्ती होना उत्तराखंड के युवाओं का हमेशा से सपना रहा है, लेकिन अग्निपथ योजना के माध्यम से सरकार ने उत्तराखंड ही नहीं संपूर्ण देश के युवाओं को छलने का काम किया है।

कर्णप्रयाग/गोपेश्वर में अग्निपथ योजना के विरोध में ब्लॉक/नगर कांग्रेस कमेटी कर्णप्रयाग व गौचर के मुकेश नेगी, राजेंद्र सगोई, सुनील पंवार, अजय किशोर भंडारी, राजेश्वरी नेगी, संदीप नेगी, देवराज रावत, पुष्कर रावत आदि ने प्रदर्शन किया। उधर, गोपेश्वर में योजना के विरोध में पीसीसी सदस्य सुदर्शन शाह, पूर्व नगर अध्यक्ष अरविंद नेगी, ओम प्रकाश नेगी, गोविंद सजवाण आदि ने विरोध जताया।

हत्याकांड का खुलासा : दो साल की मासूम से दुष्कर्म के बाद नाले में फेंका शव, हैवान की और घिनौनी हरकत आई सामने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर। पुलिस ने जिले के सातरतबे में नाले में मिले नेपाली मूल की मासूम के शव मामले का खुलासा कर दिया है। आरोपी ने दुष्कर्म के बाद मासूम की हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 18 जून को सातरतबे गांव के नाले में दो वर्षीय बच्ची का शव बरामद हुआ था। पोस्टमार्टम में मासूम के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई थी।

मूल रूप से नेपाल निवासी ने 19 जून को कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 18 जून को दोपहर करीब ढाई बजे वह अपनी दो वर्षीय बच्ची को कमरे में सुलाकर मजदूरी करने चला गया था। वापस आने पर कमरे में बच्ची नहीं मिली। आसपास ढूंढने पर बच्ची का शव कमरे से 200 मीटर दूर नाले में मिला। बच्ची के पिता ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।

कोतवाली में आईपीसी की धारा 302/201 के तहत अज्ञात के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया गया। विवेचना

निरीक्षक इंद्रजीत के सुपुर्द की गई। वहीं पुलिस अधीक्षक अमित श्रीवास्तव के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस और एसओजी की दो टीमों का गठन किया गया।

रविवार को कोतवाली में हत्याकांड का खुलासा करते हुए एसपी अमित श्रीवास्तव ने बताया कि घटना में रतबे निवासी धीरज तिवारी की संलिप्तता सामने आई।

उद्धव ने 22 जून को ही कर ली थी सीएम पद छोड़ने की तैयारी, सरकार बचाने के लिए भाजपा से किया था संपर्क

मुंबई, एजेंसी। अपनी ही पार्टी में बगावत का सामना कर रहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने 22 जून को शाम पांच बजे इस्तीफा देने की तैयारी कर ली थी। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। बताया गया है कि जब उद्धव को यह साफ हो गया था कि बागी विधायकों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है और उनकी सरकार को बचाने का कोई रास्ता नहीं है, तब उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया था।

सूत्रों ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने इस दौरान महाविकास अघाड़ी सरकार को संकट से निकालने के लिए भाजपा नेताओं से भी संपर्क किया। हालांकि, जब बात नहीं बनी तो उन्होंने इस्तीफा देने और फिर 22 जून की शाम को ही शिवसेना संस्थापक बालासाहेब के स्मारक पर जाने की तैयारी कर ली थी। ठाकरे ने इस्तीफे के एलान के लिए पांच बजे का समय तक तय किया था। लेकिन योजना में बदलाव के बाद कॉन्फ्रेंस को 5.30 बजे के लिए तय किया गया। गौरतलब है कि इस पूरे घटनाक्रम के कुछ घंटे बाद ही ठाकरे ने अपने परिवार के साथ सीएम आवास छोड़ दिया था और मातोश्री पहुंच गए थे। शिवसेना के बगावती विधायकों ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को कुछ दिन पहले ही चिट्ठी लिख बगावत की वजह बताई थी। इसमें विधायकों ने उन पर कई बड़े आरोप लगाए थे। फिर चाहे सीएम का अपनी ही पार्टी के विधायकों से मुलाकात न करने का मुद्दा हो या उन्हें अयोध्या जाने से रोकने का। एकनाथ शिंदे की ओर से ट्विटर पर साझा की गई चिट्ठी में ऐसे कई बड़े आरोप हैं। जो चिट्ठी सामने आई है, उसमें शिवसेना विधायकों ने उद्धव पर कांग्रेस और राकांपा के नेताओं को अपने विधायकों पर तरजीह देने की शिकायत भी की गई थी। शिंदे की ओर से साझा इस चिट्ठी के नीचे औरंगाबाद पश्चिम विधानसभा सीट से विधायक संजय शिरसाट का नाम लिखा है। यानी सभी विधायकों की ओर से इस चिट्ठी के लेखन का काम शिरसाट ने ही किया।

आतंकी साजिश नाकाम : अमरनाथ यात्रा से पहले पाकिस्तानी घुसपैठिया और दो आतंकी ढेर, डोडा में पकड़ा गया दहशतगर्द

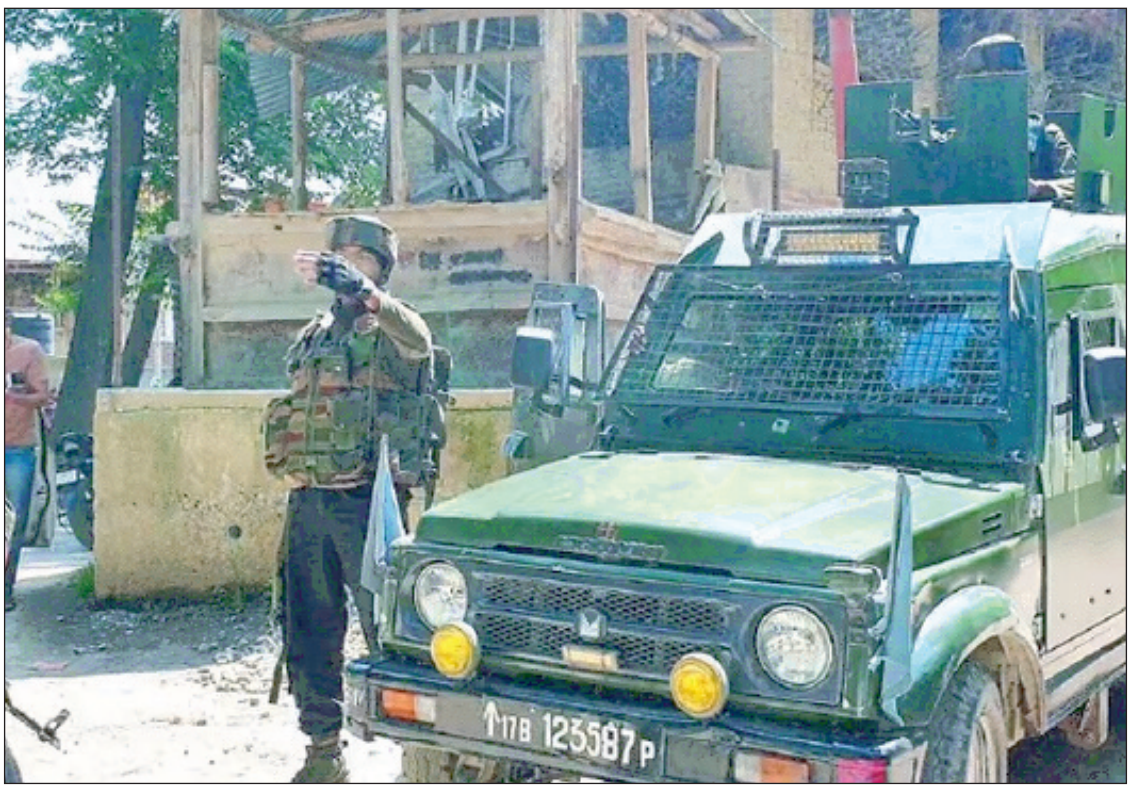

जम्मू , एजेंसी। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अमरनाथ यात्रा मार्ग के बिल्कुल नजदीक सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में लश्कर-ए-ताइबा के दो आतंकियों को मार गिराया। आईजी कश्मीर विजय कुमार के अनुसार यह ऑपरेशन बड़ी सफलता है क्योंकि लश्कर ने यात्रा पर हमले की धमकी दी है। इस बीच आरएस पुरा में आईबी पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम बनाते हुए एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया।

डोडा से एक आतंकी को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है। मारे गए आतंकियों से हथियार व गोला बारूद बरामद किए गए हैं। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से दो दिन पहले सुरक्षा बलों को आतंक के मोर्चे पर तिहरी सफलता मिली है।

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के नौपोरा खैरपोरा इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने संयम बरतते हुए आतंकियों को आत्मसमर्पण के मौके दिए। कई बार अपील के बाद भी आतंकी नहीं माने।

वे लगातार फायरिंग करते रहे। इस बीच सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ वाले स्थल के आसपास के घरों में फंसे लोगों को निकाला।इसके बाद जवाबी कार्रवाई में दो आतंकियों को मार गिराया। पुलिस के अनुसार मारे गए आतंकियों की शिनाख्त कोयमोह कुलगाम निवासी जुबैर अहमद मीर व कुलपोरा कुलगाम निवासी इदरीस अहमद के रूप में हुई है। दोनों पुलिसकर्मियों व सुरक्षा बलों पर हमले तथा पंचायत प्रतिनिधियों की हत्या में शामिल थे। जुबैर अगस्त 2021 से सक्रिय था और वह युवाओं को बरगलाकर आतंक के रास्ते पर धकेलता था। साथ में मारे गए इदरीस को भी उसने आतंकी संगठन में भर्ती किया था।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय क्षेत्र में घुस आए पाकिस्तानी घुसपैठिए को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रविवार देर रात मार गिराया। इसके बाद बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजरों से संपर्क किया परंतु रेंजरों ने शव लेने से इनकार कर दिया। जिसके बाद उसे पोस्टमार्टम के बाद दफना दिया गया। खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि यह घुसपैठिया आतंकियों का गाइड हो सकता है।

पुलिस और बीएसएफ ने पूरे इलाके में तलाशी अभियान चलाया, हालांकि घुसपैठिये के शव के सिवाय कोई अन्य सामान नहीं मिला। सूत्रों ने बताया कि काले लिबास में घुसपैठिया पाकिस्तान की कनारपुर चौकी की तरफ से आया था। सीमा पर तैनात बीएसएफ के जवान इस पर लगातार नजर बनाए रहे।

यह काफी समय तक पाकिस्तान के क्षेत्र में ही संदिग्ध गतिविधियां करता रहा। बाद में वह सीमा पर जीरो लाइन पर पिलर नंबर-938-39 पार कर भारतीय क्षेत्र में घुस आया। यहां उसने तारबंदी को पार करने की कोशिश, जिस पर उसे चुनौती दी गई। जब वह नहीं रुका तो उसे वहीं ढेर कर दिया गया।

खुफिया एजेंसियों को सीमा पार से घुसपैठ के इनपुट पहले से मिल रहे हैं। ऐसे में अमरनाथ यात्रा से ऐन पहले घुसपैठ की कोशिश बड़ी साजिश की ओर भी इशारा करती है। अमरनाथ यात्रा की तैयारियों के बीच डोडा पुलिस ने एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक चीन निर्मित पिस्टल, दो मैगजीन, 14 गोलियां और एक मोबाइल बरामद किया गया है। आतंकी की पहचान फरीद अहमद निवासी डोडा के रूप में हुई है, जिसे हथियार देकर पुलिस पर हमले का काम सौंपा गया था।

पुलिस के अनुसार, फरीद अहमद को डोडा कस्बे के बाहरी इलाके में जांच नाके पर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से हथियार और गोलियां भी बरामद हो गईं। जांच में पता चला कि फरीद को इसी साल मार्च माह में एक संदिग्ध ने पिस्टल और गोलियों की खेप दी थी फरीद सीमा पार आतंकी कमांडरों के संपर्क में था, जिसे वहां से निर्देश भी मिल रहे थे। उसे पुलिस पर हमला करने का जिम्मा दिया गया था। फरीद का नेटवर्क कहां तक फैला है, इसकी जांच की जा रही है। इस मामले में कुछ और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

चीन की BRI परियोजना को चुनौती देने के लिए होगा 600 अरब डॉलर का निवेश, भारत को लेकर बाइडन का बड़ा एलान

एल्माउ, एजेंसी। जर्मनी में हो रही जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन में दूसरे दिन यूक्रेन-रूस युद्ध के अलावा विकासशील देशों में ढांचागत परियोजनाओं का विकास, खाद्य सुरक्षा और आतंकवाद समेत विभिन्न महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान जी-7 के नेताओं ने विकासशील देशों में ढांचागत परियोजनाओं के विकास के लिए वित्त जुटाने पर भी चर्चा की। जी-7 नेताओं ने घोषणा की है कि इसके लिए साल 2027 तक 600 अरब डॉलर का वित्त जुटाया जाएगा।

विकासशील देशों में ढांचागत परियोजनाओं में होगा निवेश

गौरतलब है कि शिखर सम्मेलन में रविवार को 'वैश्विक अवसंरचना एवं निवेश भागीदारी' (पीडीआईआई) योजना का अनावरण किया गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इसकी घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि पीजीआईआई सभी के लिए फायदेमंद साबित होगी।

उन्होंने एक ट्वीट भी किया था। जिसमें उन्होंने कहा कि जी-7 के देश मिलकर 2027 तक करीब 600 अरब डॉलर जुटाएंगे। जिसे विकासशील देशों में महत्वपूर्ण ढांचागत परियोजनाओं में लगाया जाएगा। ये परियोजनाएं लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाएंगी और सही मायने में उनके लिए लाभदायक साबित होंगी। उन्होंने कहा कि इससे सभी देशों की अर्थव्यवस्था को मदद मिलेगी।

चीन को जी-7 देशों का जवाब है पीडीआईआई

जी-7 देशों की इस पहल को चीन को जबाव के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, चीन ने पहले ही 'बेल्ट एवं रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) योजना के तहत कई देशों को ढांचागत परियोजनाओं के लिए भारी कर्ज दे रखा है। जी-7 देशों की इस योजना को चीन की इसी योजना के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। चीन द्वारा बीआरआई योजना के तहत विकासशील देशों को बंदरगाह, सड़क एवं पुल बनाने के लिए कर्ज दिया जाता है।

भारत को लेकर जो बाइडन ने की घोषणा

इस दौरन जो बाइडन ने भारत को लेकर कहा कि अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त निगम (डीएफसी) उद्यम पूंजी कोष ओम्निवोर एग्रीटेक एंड क्लाइमेट सस्टेनेबिलिटी फंड-3 में तीन करोड़ डॉलर का निवेश करेगा। जिसका इस्तेमाल भारत में कृषि, खाद्य प्रणाली, जलवायु एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े. उद्यमों में निवेश के जिए किया जाएगा।

जॉर्डन में जहरीली गैस रिसाव से 10 की मौत, 200 से ज्यादा लोगों की हालत खराब

जॉर्डन । स्थानीय मीडिया के मुताबिक लोक सुरक्षा निदेशालय ने कहा कि गैस टैंक की ढुलाई के समय यह रिसाव हुआ। टैंकर में किस तरह की सामग्री रखी हुई थी इस बारे में पता नहीं चल पाया है। हालांकि पुलिस अधिकारी इसका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशासन ने घायलों को अस्पतालों में पहुंचाने के बाद पूरे इलाके को सील कर दिया है। रिसाव की जांच के लिए विशेषज्ञ भेजे गए हैं। स्थानीय मीडिया की मानें तो रिसाव से ज्यादा लोग प्रभावित न हों इसलिए अधिकारियों ने जगह को खाली करा दिया है। लोगों से घरों को अंदर रहने और खिड़की-दरवाजें बंद करने का आग्रह किया गया है।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा